

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 10 मई, 2021

‘आईडी-आर्ट’ एप्लीकेशन

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन यानी इंटरपोल ने एक ‘आईडी-आर्ट’ नाम से एक मोबाइल फोन एप्लीकेशन (एप) लॉन्च की है, जो चोरी हुई सांस्कृतिक संपत्तिकी पहचान करने, तस्करी को कम करने और चुराई हुई कलाकृतियों की पुनर्प्राप्तिकी संभावना को बढ़ाने में मदद करेगा। इंटरपोल का यह एप उपयोगकर्ताओं को चोरी हुई कलाकृतियों से संबंधित इंटरपोल के डेटाबेस तक पहुँच प्राप्त करने, नज्दीक संग्रहों की एक सूची बनाने और उन सांस्कृतिक साइटों की रिपोर्ट करने, जिन पर संभावित जोखिम है आदिमें सक्षम बनाता है। यह एप विभिन्न देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ आम जनता द्वारा भी प्रयोग किया जा सकता है। ज्ञात हो किहाल के कुछ वर्षों में ऐसी तमाम सशस्त्र संघर्ष और संगठित लूटपाट की घटनाएँ दर्ज की गई हैं, जिसके कारण विभिन्न देशों की सांस्कृतिक वरिसतें गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। इस तरह यह नया एप पुलिस अधिकारियों, सांस्कृतिक वरिसत पेशवरों और आम जनमानस को सांस्कृतिक संरक्षण की दशा में क्षमता बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। वरिसत स्थलों की स्थिति के प्रलेखन के अलावा यह एप भौगोलिक स्थिति को रिकॉर्ड करने को भी सक्षम बनाता है। इस एप्लीकेशन के माध्यम से अब तक इटली और नीदरलैंड में कुल चार कलाकृतियों को बरामद किया गया है।

सीनोफार्म वैक्सीन

हाल ही में [वशिव स्वास्थ्य संगठन](#) ने चीन में नरिमति सीनोफार्म कोवडि-19 वैक्सीन को आपातकालीन उपयोग के लिये सूचीबद्ध किया है, जिसका अर्थ है कि अब इस वैक्सीन का प्रयोग दुनिया भर में टीकाकरण अभियानों में किया जा सकता है। इस वैक्सीन का उत्पादन बीजिंग बायो-इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जो कि चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप (CNBG) की एक अनुषंगी कंपनी है। वदिति हो कि सीनोफार्म, वशिव स्वास्थ्य संगठन का समर्थन प्राप्त करने वाली पहली गैर-पश्चिमी वैक्सीन है और इसका प्रयोग संभवतः कोवैक्स (COVAX) कार्यक्रम के लिये किया जाएगा, जिसके तहत नमिन और मध्यम आय वाले देशों में टीकों की आपूर्ति की जाती है। वशिव स्वास्थ्य संगठन के मुताबकि, चीन द्वारा नरिमति यह वैक्सीन सभी आयु वर्गों के लिये लगभग 79 प्रतिशत तक प्रभावी है। सीनोफार्म वैक्सीन, भारत बायोटेक इंडिया द्वारा विकसित कोवैक्सिनी की तरह ही एक नषिकरयि कोरोना वायरस वैक्सीन है। नषिकरयि वैक्सीन में उस वशिषिट रोग से संबंधित वायरस (कोवडि-19 के मामले में SARS-CoV-2) का प्रयोग किया जाता है और उसे ऊष्मा, रसायन या विकिरण का उपयोग कर नषिकरयि कर दिया जाता है। फ्लू और पोलियो के टीके को भी इसी वधिसे नरिमति किया जाता है।

माउंट सनिाबंग

हाल ही में इंडोनेशिया के सक्रीय ज्वालामुखी ‘माउंट सनिाबंग’ में वसिफोट हुआ है। यह ज्वालामुखी वर्ष 2010 में तब सकरयि हुआ था, जब लगभग 400 वर्षों की नषिकरयिता के बाद इसमें पहली बार वसिफोट हुआ था। सनिाबंग ज्वालामुखी उत्तरी सुमात्रा प्रांत के कारो ज़िले में स्थिति है। इसकी ऊँचाई 2,475 मीटर है। यह दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के प्रमुख जागृत ज्वालामुखियों में से एक है। जागृत ज्वालामुखी लंबा एवं शंकवाकार होता है, जो कठोर लावा और टेफ्रा की परतों से मलिकर बना होता है। इंडोनेशिया में ऐसी ज्वालामुखी घटनाएँ काफी सामान्य हैं, क्योंकि यह देश प्रशांत महासागर के ‘रिगि ऑफ फायर’ पर स्थिति है जहाँ पर वविरतनकि प्लेटों के आपस में टकराने के फलस्वरूप भूकंपीय और ज्वालामुखी घटनाएँ अक्सर देखी जाती हैं। ‘रिगि ऑफ फायर’ में वशिव के लगभग 75 प्रतिशत ज्वालामुखी मौजूद हैं और लगभग 90 प्रतिशत भूकंप भी इसी क्षेत्र में दर्ज किये जाते हैं। ज्वालामुखी मूल रूप से तीन प्रकार के होते हैं - सकरयि, नषिकरयि या वल्लिपुत। एक वसिफोट तब होता है जब ‘मैग्मा’, जो कि पृथ्वी के मेंटल के पघिलने पर बनता है, पृथ्वी की सतह पर आ जाता है। सतह पर आ जानेके बाद इसे ‘लावा’ कहते हैं।

वी. कल्याणम

महात्मा गांधी के पूर्व नज्दीक सचिव वी. कल्याणम का हाल ही में 99 वर्ष की आयु में चेन्नई में नधिन हो गया है। वी. कल्याणम वर्ष 1943 से वर्ष 1948 तक महात्मा गांधी की मृत्यु तक उनके नज्दीक सचिव थे। ज्ञात हो कि 30 जनवरी, 1948 को नई दल्लि में राष्ट्रपति महात्मा गांधी की हत्या के दौरान वी. कल्याणम महात्मा गांधी के साथ ही थे। वी. कल्याणम का जन्म 15 अगस्त, 1922 को शमिला में हुआ था। गांधी के नधिन के बाद कल्याणम ने पंडति नेहरू, एडवनिा माउंटबेटन और रेड क्रॉस आदि के साथ भी कार्य किया, इसके अलावा वे एक सद्भावना मशिन पर चीन भी गए।

